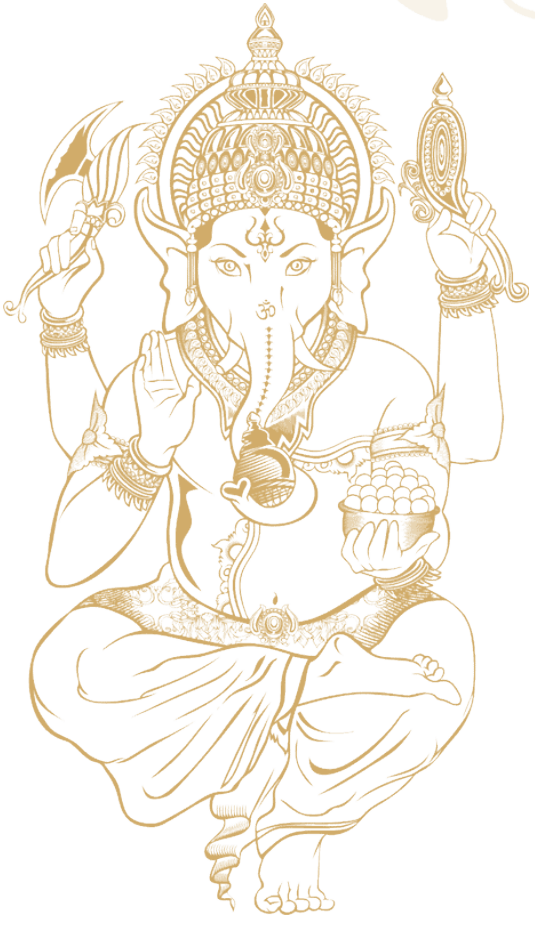

Mis.Grivisha

02 Dec 2019

09:35 PM

Udaipur

Model: web-freekundliweb

Order No: 120157902

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**02/12/2019**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**21:35:00 घंटे**
इष्ट	36:20:41 घटी
स्थान	**Udaipur**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	24:36:00 उत्तर
रेखांश	73:47:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:52 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	21:00:08 घंटे
वेलान्तर	00:10:46 घंटे
साम्पातिक काल	01:44:59 घंटे
सूर्योदय	07:02:43 घंटे
सूर्यास्त	17:45:37 घंटे
दिनमान	10:42:54 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	हेमन्त
सूर्य के अंश	16:02:27 वृश्चिक
लग्न के अंश	09:06:25 कर्क

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	कर्क - चन्द्र
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 2**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	व्याघात
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	गी-गीत
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	धनु

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			कर्क	09:06:25	313:17:51	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	शुक्र	---
सूर्य			वृश्चि	16:02:27	01:00:51	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	मित्र राशि
चंद्र			मक	28:18:50	12:04:11	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	सम राशि
मंगल			तुला	14:40:52	00:39:44	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	केतु	सम राशि
बुध			तुला	26:40:32	01:15:37	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			धनु	05:50:55	00:13:22	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	स्वराशि
शुक्र			धनु	14:06:43	01:14:19	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि			धनु	24:01:15	00:06:05	पूर्वाषाढ़ा	4	20	गुरु	शुक्र	बुध	सम राशि
राहु	व		मिथु	15:39:42	00:03:11	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	उच्च राशि
केतु	व		धनु	15:39:42	00:03:11	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	उच्च राशि
हर्ष	व		मेष	09:09:20	00:01:49	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	गुरु	---
नेप			कुंभ	21:48:12	00:00:11	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	---
प्लूटो			धनु	27:21:53	00:01:36	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	चंद्र	---
दशम भाव			मेष	04:07:05	--	अश्विनी	--	1	मंगल	केतु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : माध्य

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:07:49

लग्न-चलित

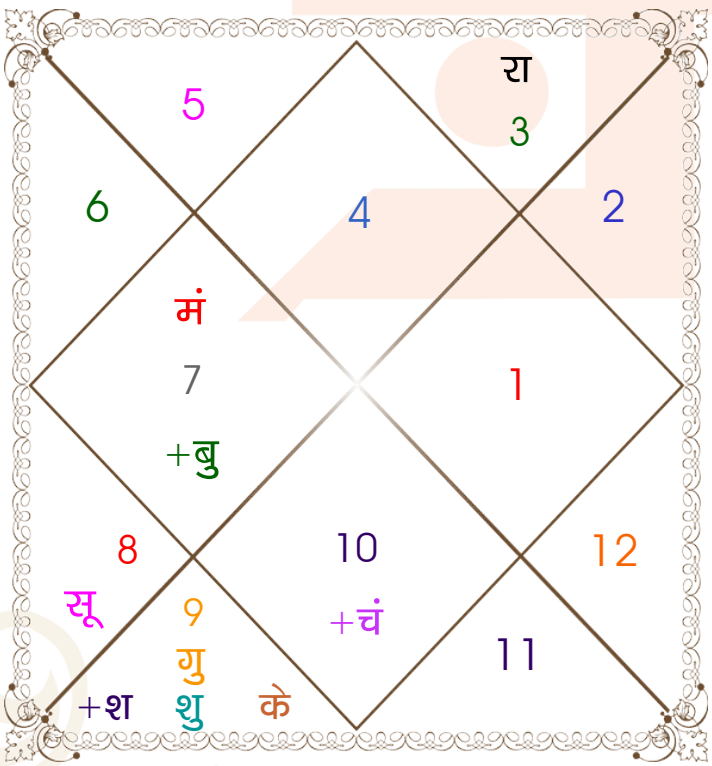

चन्द्र कुंडली

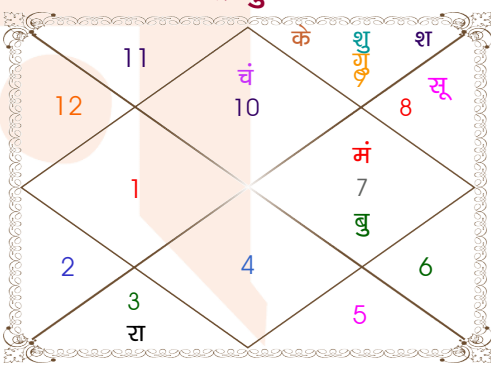

नवमांश कुंडली

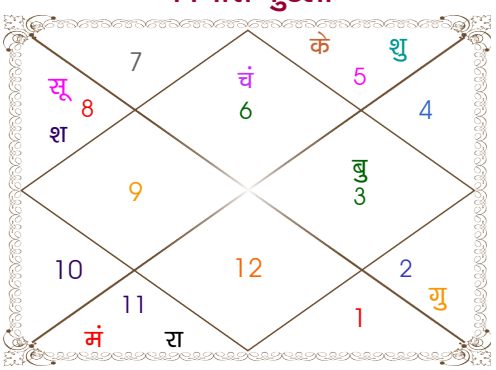

Krishna jyotish paramarsh Kendra (पूज्य दादा गुरु पण्डित स्व:किशन लाल जोशी की स्मृती में)
4 shanti ni ketan society bedala badgaon link road Udaipur Rajasthan
पण्डित गिरधारी जोशी पंडित भूपेंद्र जोशी
9571652706 9414829758
jbhupendrajoshi@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 4 वर्ष 4 मास 18 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
02/12/2019		21/04/2024		22/04/2042		22/04/2058		21/04/2077	
21/04/2024		22/04/2042		22/04/2058		21/04/2077		22/04/2094	
	00/00/0000	राहु	02/01/2027	गुरु	09/06/2044	शनि	24/04/2061	बुध	18/09/2079
	00/00/0000	गुरु	28/05/2029	शनि	21/12/2046	बुध	03/01/2064	केतु	14/09/2080
	02/12/2019	शनि	03/04/2032	बुध	28/03/2049	केतु	10/02/2065	शुक्र	16/07/2083
शनि	21/10/2020	बुध	21/10/2034	केतु	04/03/2050	शुक्र	12/04/2068	सूर्य	22/05/2084
बुध	18/10/2021	केतु	09/11/2035	शुक्र	02/11/2052	सूर्य	25/03/2069	चंद्र	21/10/2085
केतु	16/03/2022	शुक्र	08/11/2038	सूर्य	21/08/2053	चंद्र	24/10/2070	मंगल	18/10/2086
शुक्र	16/05/2023	सूर्य	03/10/2039	चंद्र	21/12/2054	मंगल	03/12/2071	राहु	07/05/2089
सूर्य	21/09/2023	चंद्र	03/04/2041	मंगल	27/11/2055	राहु	09/10/2074	गुरु	12/08/2091
चंद्र	21/04/2024	मंगल	22/04/2042	राहु	22/04/2058	गुरु	21/04/2077	शनि	22/04/2094

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
22/04/2094		22/04/2101		22/04/2121		23/04/2127		22/04/2137	
22/04/2101		22/04/2121		23/04/2127		22/04/2137		00/00/0000	
केतु	18/09/2094	शुक्र	22/08/2104	सूर्य	10/08/2121	चंद्र	21/02/2128	मंगल	18/09/2137
शुक्र	18/11/2095	सूर्य	22/08/2105	चंद्र	09/02/2122	मंगल	21/09/2128	राहु	07/10/2138
सूर्य	25/03/2096	चंद्र	23/04/2107	मंगल	16/06/2122	राहु	23/03/2130	गुरु	13/09/2139
चंद्र	24/10/2096	मंगल	22/06/2108	राहु	11/05/2123	गुरु	23/07/2131	शनि	03/12/2139
मंगल	22/03/2097	राहु	23/06/2111	गुरु	27/02/2124	शनि	20/02/2133		00/00/0000
राहु	09/04/2098	गुरु	21/02/2114	शनि	08/02/2125	बुध	23/07/2134		00/00/0000
गुरु	16/03/2099	शनि	22/04/2117	बुध	16/12/2125	केतु	21/02/2135		00/00/0000
शनि	25/04/2100	बुध	21/02/2120	केतु	23/04/2126	शुक्र	22/10/2136		00/00/0000
बुध	22/04/2101	केतु	22/04/2121	शुक्र	23/04/2127	सूर्य	22/04/2137		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 4 वर्ष 4 मा 23 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुष्यनक्षत्र के द्वितीय चरण में कर्क लग्नोदयकाल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर कर्क लग्न के साथ-साथ कन्या का नवांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण का भी उदय हुआ था। इस जन्म की आकृति से यह स्पष्ट होता है कि आपका जीवन आशानुरूप फलदायी होगा।

आप विश्वासी विलक्षण बुद्धि के कठिन परिश्रमी एवं दृढ़निश्चयी प्राणी है। आप निःसन्देह धन प्राप्ति के आकांक्षी हैं। परन्तु इसका अर्थ नहीं कि आप विश्वशघाती हैं। क्योंकि आप कभी भी किसी के साथ धोखा धड़ी अथवा कपटपूर्ण व्यवहार नहीं करेगें। आप मनोयोग पूर्वक, कठिन श्रम करके यथेष्ठ धन सम्पत्ति उपार्जित करेंगे। आप आर्थिक रूप से श्रेष्ठ सौभाग्यशाली हैं। आप सदैव (एक समान) यात्रा करके अनेक तीर्थस्थल का परिदर्शन करेंगे। आप आस्तिक हैं तथा आपको पूर्ण विश्वास है कि ईश्वर सर्वशक्तिमान है। आप धर्म ग्रन्थों का अध्ययन कर धर्म के सम्बंध में पूर्ण ज्ञान प्राप्त कर सार्वजनिक सेवक के रूप में प्रस्तुत रह कर, सेवा कर्म करेंगे।

आप पूर्णरूपेण आश्वस्त हैं कि आप धर्म मार्ग पर चलकर, विश्व में सफलता प्राप्त करेंगे। आप 36 वें वर्ष से बहुत बड़े भाग्यशाली होंगे।

आप गौरवर्ण के लम्बे दीर्घकाय प्राणी होंगे। आपके शरीर का उपरी भाग निचले भाग की अपेक्षा बहुत उन्नत एवं प्रभावशाली होगा। आपकी आकृति (स्वरूप) विस्तृत बड़ा मुँह, सुन्दर दाँतों से परिपूर्ण होगा।

बल्कि आपके जीवन के प्रारम्भ में कुछ दिनों तक आप शारीरिक रूप से सर्वोत्कृष्ट हो जाएंगे। परन्तु जीवन में एक लघु व्यवधान विद्यमान रहेगा। क्योंकि आपका क्षणिक उद्वेग एवं तनावपूर्ण मानस संभवतः हिस्टिरिया, मूर्छा एवं बेहोशीपन रोग को आमंत्रित कर सकता है। इसके विरूद्ध गम्भीर रूप से आपको सतर्कता बरतनी होगी। इसके अतिरिक्त आपको खान-पान पर भी नियंत्रण रखना पड़ेगा। क्योंकि आप अधिक भोजन करने वाले पेटू प्राणी हैं। आपको हर दशा में मध्यपान के उपयोग एवं लालच से बचना होगा।

आपका मैत्री का क्षेत्र विस्तृत होगा। वे लोग आपका सामान्य प्रतिभात्मक मनोवृत्ति के अनुरागी अर्थात् प्रशंसक होंगे। वे लोग हर दशा में आपको सहयोग एवं समर्थन प्रदान कर, आपके सुन्दर जीवन के प्रति शुभकांक्षी रहेंगे।

आप में बहुत सुन्दर गुण विद्यमान है अर्थात् विश्वसनीय, सतर्क तत्पर एवं कर्मठ कार्य कर्त्ता हैं। आप अविश्वसनीयता को त्याग कर लोगों के साथ अच्छा व्यवहार करेंगे। ऐसा संभव है कि आप आंशिक परिवर्तित होकर उत्तम मार्ग के अनुगामी होंगे।

आप अपनी पत्नी के प्रति पूर्णतः समर्पित व्यक्ति है। परन्तु आप परिवार नियोजन में विश्वास नहीं करते हैं। आप निःसन्देह अपनी पत्नी से प्यार करते हैं। परन्तु आप घरेलू मामलों में कोई हस्तक्षेप करना नहीं चाहते ताकि अपनी पत्नी के साथ कोई गलती न हो जाए।

आपके लिए उत्तम तो यह है कि आप उत्तेजनात्मक प्रवृति का परित्याग कर दें। अन्यथा परिणाम स्वरूप घर परिवार में अनुपयुक्त वैमनस्यता हो सकता है। यदि आपको अपनी पत्नी के सम्बंध में विचार करना हो तो यह देखें कि उसका जन्म लग्न या राशि वृश्चिक या मीन हो तो समझ ले कि आप उस लड़की के साथ सामंजस्य स्थापित कर सकते हैं।

सामन्यतया कर्क राशि प्राणी की प्रवृति एवं कार्यकलाप व्यवसायिक होती है। इनके लिए व्यवहारणीय पेशा वृत्ति नौसेना, जहाजरानी कार्य, सिंचाई, नहर एवं पुल निर्माण विभाग आदि अनुकूल होते हैं। ये स्वनिर्मित आत्मावलम्बी प्राणी होते हैं। यदि ये चाहें तो अपनी प्रतिष्ठा का विस्तार कर विश्वसनीय मंत्री या एक प्रशासनिक पदाधिकारी तक हो सकते हैं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में शुक्रवार एवं शनिवार पूर्ण आनन्द प्रदायक नही होगा। मंगलवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन सफलता प्रदायक होगा। बुधवार का दिन चिन्तनीय एवं व्ययकारी होगा। परन्तु रविवार का दिन सचेत रहने योग्य है।

आपके लिए क्रीम, श्वेत, पीत एवं लाल रंग का व्यवहार उत्तम है परन्तु, हरा एवं ब्लू रंग सर्वथा त्यागनीय है। आपके लिए अंक 4 एवं 6 अंक अनुकूल है जबकि अंक 3 एवं 5 अंक अनुपयुक्त हैं।